सुविचार सदैव कोशीश करे शिकायत नही हारता वह है जो शिकायत करता है

डीजिटल संस्करण https:// sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र

सह सम्पादक-बृजेश शर्मा

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा

वर्ष-८ अंक-०८ ०८/०६/२०२२ पृष्ठ-२ मूल्य-

पैगंबर टिप्पणी मामले मे अल-कायदा ने दी भारत को बच्चो के शरीर पर विस्फोटक बांध कर (आत्मघाती) हमले की धमकी

मामले में टिप्पणी करने वाले आरोपी प्रवक्ता नवीन जिंदल ओर नूपुर शर्मा पर हुई कार्यावही पर मामला शांत नही

आतंकी संगठन ने धमकी भरा बयान जारी करते हुए मुस्लिमों को भड़काने की कोशिश की है। बयान में कहा गया है कि हम अपने शरीर और अपने बच्चों के शरीर के साथ विस्फोटक बांधकर उन लोगों को उड़ा देंगे जो हमारे पैगंबर का अपमान करते हैं। अल कायदा ने यह भी कहा है, भारत पर हिंदुत्व आतंकवादी कब्जा कर रहे हैं। इंटरनेट मीडिया के कुछ यूजर द्वारा अल कायदा के इस बयान को साझा किया गया है।पूरे मामले में भाजपा ने कार्रवाई करते हुए अपने दोनों प्रवक्ताओं को हटा दिया है, दोनों ने माफी भी मांग ली है, लेकिन मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारत में जहां नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग हो रही है, वहीं मलेशिया, कुवैत और पाकिस्तान जैसे कई देशों ने भी पैगंबर मुहम्मद पर की गईं टिप्पणियों की निंदा की है।नुपुर शर्मा ने जहां एक टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणीकी, वहीं एक अन्य नेता नवीन जिंदल ने ट्विटर पर एक विवादास्पद टिप्पणी पोस्ट की। इस बीच, भारत सरकार यह साफ कर चुकी है कि इस तरह के विचार केवल कुछ फ्रिंज तत्वों के हैं और भारत के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। भारत ने इस्लामिक सहयोग संगठन के उस बयान को भी स्पष्ट रूप से खारिज किया, जिसमें भारत को अनुचितऔर संकीर्ण सोचवाला बताया गया था। इससे पहले, सत्तारूढ़ भाजपा ने प्रवक्ता नुपुर शर्मा को निलंबित कर दिया और टिप्पणी को लेकर मीडिया प्रभारी नवीन जिंदल को निष्कासित कर दिया। पार्टी ने एक बयान जारी कर किसी भी धार्मिक व्यक्तित्व के अनादर के लिए अपनी असहिष्णुता पर जोर दिया।

कौन है अल-क़ायदा - ?

एक बहुराष्ट्रीय उग्रवादी सुन्नी इस्लामवादी संगठन है जिसका स्थापना ओसामा बिन लादेन, अब्दुल्लाह आज़म और १९८० के दशक में अफ़ग़ानिस्तान पर सोवियतों के आक्रमण के विरोध करने वाले कुछ अन्य अरब स्वयंसेवकों द्वारा १९८८ में किया गया था। यह इस्लामी कट्टरपंथी सलाफ़ी जिहादवादियों का जालतंत्र है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमरीका, यूनाइटेड किंगडम,भारत, रूस और कई अन्य देशों द्वारा यह संगठन एक आतंकवादी समूह क़रार दिया गया है।

ग्वालियर हत्या : मणि ने बताया आँखो देखा हाल , डर था हमे न मार दे पापा

मासुम मणि बोली मम्मी पापा लड रहे थे हमे डर था कि कही हमे न मार दे इसलिए कमरे से बाहर नही निकली

ग्वालियर, 8 साल की मणिकर्णिका भदौरिया, जिसे प्यार से घर में मणि बुलाते हैं। उसने और उसके भाई शार्दुल ने जो दिल दहला देने वाला नजारा रविवार–सोमवार की रात अपने घर में देखा, उस डर को इनकी आंखें जीवनभर नहीं भूल पाएंगी। बच्चे गहरी नींद में सो रहे थे, तभी उनके पिता ऋषभ की चीख और मां की रोने की आवाज सुनकर बच्चे उठ गए। ऋषभ और भावना की मासूम बेटी उस घटना को याद कर अभी भी सहम जाती है। जब पुलिस ने उससे बात की तो उसने पूरी घटना बताई। बोली– मम्मी–पापा लड़ते तो रोज थे, लेकिन रात को पापा बहुत चिल्ला रहे थे। भैया डर के कारण रोने लगा, पिता उस पर भी चिल्लाए तो वह और रोने लगा। पापा हाथ में बंदूक लिए थे, मम्मी को धक्का दे रहे थे। लग रहा था पापा हमें भी मार देंगे,हम पलंग पर कोने में छिप गए। पापा मम्मी को मारकर भाग गए।रात को भावना की हत्या करने के बाद ऋषभ भाग गया, तब भी काफी देर तक बच्चे बाहर नहीं निकले। रात्रि गश्त में झांसी रोड थाना प्रभारी संजीव नयन शर्मा को जब सूचना मिली तो वह खुद घटनास्थल पहुंचे। समय करीब 3 बजे का था, इस घटना को करीब एक घंटा बीत चुका था। बेडरूम के बाहर खून ही खेन पड़ा था। बच्चे इतने डर गए थे कि कमरे से बाहर तक नहीं निकल रहे थे।मणि अपने छोटे भाई कोभी संभाल रही थी, वह बार–बार मां के पास जाने की जिद कर रहा था,लेकिन मणि को पता था अब उसकी मां इस दुनिया में नहीं रही। 8 साल की उम्र में भी वह खुद के साथ भाई को संभाल रही थी, बार–बार बोल रही थी मम्मी आ जाएंगी। रात में यह नजारा पुलिस अफसरों ने देखा तोकिसी तरह से बच्चों को बाहर लेकर आए। बच्चे पड़ोसियों के यहां भिजवाए। जब लाश पोस्टमार्टम हाउस चली गई तब बच्चों को घर में लाया गया। रातभर बच्चे सोए नहीं थे, सुबह बच्चे सोए। मणि से जब पुलिस ने बातकी तो उसने यह भी बताया किउसकेपिता रोज शराब पीते थे, झगड़ा करते थे।

रक्षामंत्रालय ने 76 हजार करोड के सैन्य उपकरण की खरीद को दी स्वीकृती

इस खरीद से भारतीय डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा। विदेशी खर्च में भी कमी आएगी।

रक्षामत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक हुई। डीएसी द्वारा बाय इंडियन एंड बाय एंड मेक इंडियन श्रेणी के तहत 76,390 करोड़ रुपए के सशस्त्र बलों के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। वहीं रक्षामंत्री ने भी ट्वीट कर बताया है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार इंडियन आर्मी के लिए डीएएसी ने रफ टेरेन फोर्क लिफ्ट ट्रक, ब्रिज बिछाने वाले व्हील टैंक, टैंक रोधी निर्देशित मिसाइलें और हथियार का पता लगाने वाले रडार के साथ बख्तरबंद लड़ाकू वाहन की खरीद की जरूरत के लिए स्वीकृति दी है।अधिकारियों ने कहा कि नौसेना के लिए 36 हजार करोड़ की अनुमानित लागत पर अगली पीढ़ी के कार्वेट की खरीद के लिए भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इन एनजीसी का निर्माण इंडियन नेवी के नए इन–हाउस डिजाइन के आधार पर निर्माण की नवीनतम टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके किया जाएगा। उन्होंने कहा, श्डीएसी ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा डोर्नियर एयरक्राफ्ट और एसयू–30 एमकेआई एयरो इंजन के निर्माण के लिए स्वदेशीकरण बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

पैगम्बर के खिलाफ टिप्पणी पर नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी के पक्ष में विपक्ष व अन्य दल

पैगंबर के खिलाफ नूपुर शर्मा की टिप्पणी का विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। जहां कई इस्लामिक देश बयान पर नराजगी जता चुके हैं, वहीं केंद्र सरकार का साफ कहना है कि ये निजी विचार हैं और भारत में हर धर्म का सम्मान किया जाता है। वहीं कांग्रेस और उलेमा एक बात पर अड़े हैं कि नुपुर को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए। नूपुर शर्मा के खिलाफ मुंबई में केस दर्ज हो चुका है और समन जारी करने की तैयारी की जा रही है। कांग्रेस ने सत्तारूढ़ पार्टी की खिंचाई की और भाजपा से अपने पदाधिकारियों को गिरफ्तार करने की मांग की। वहीं भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी के खिलाफ बरेलवी उलमा का रवैया तीखा है। इत्तेहाद–ए–मिल्लत परिषद(आईएमसी) की सोमवार को हुई बैठक में फैसला लिया गया कि नूपुर की गिरफ्तारी तक धरना जारी रहेगा। उन्हें भाजपा से निलंबित करना अधूरी कार्रवाई है। गिरफ्तारी नहीं हुई तो 10 जून को इस्लामिया कॉलेज मैदान में धरना दिया जाएगा।राहुल गांधी और पी. चिदंबरम समेत कांग्रेस के कई नेताओं के साथ–साथ कांग्रेस ार्टी ने अपने ट्विटर हैंडल पर खुलकर अपना गुस्साप निकाला है। वाम दलों कायह भी कहना है कि बीजेपी दूसरे देशों के दबाव में आई है और पार्टी के पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है. कांग्रेस ने सोमवार को भाजपा पर तीखा हमला करते हुए पूछा कि वैश्विक आक्रोश के लिए जिम्मेदार पार्टी नेताओं को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है। ऐसी बड़ी गलतियों के लिए देश से माफी मांगना अस्वीकार्य है।

तीर्थ यात्रीयों के शव देख कर दहल उठे परिजन

उत्तराखंड तीर्थ यात्रीयो की बस के दुर्घटना में ,शव गाँव मे पहुँचने पर माहोल गमगीन हो गय

पन्ना । उत्तराखंड में रविवार को हुए हादसे में 25 तीर्थ यात्रियों की मौत के बाद उनके शव सोमवार को विशेष विमान से खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचाए गए। यहां से जिला प्रशासन ने 18 एंबुलेंस की मदद से सभी के शव उनके गृहग्राम भिजवाए। जैसे ही तीर्थ यात्रियों के शव उनके गांव में पहुंचे तो माहौल गमगीन हो गया और चारों ओरचीख–पुकार सुनाई देने लगी। अपनों के जाने से स्वजन ही नहीं, गांव के हर व्यक्ति की आंखें नम थीं। सभी मृतकों का अंतिम संस्कार उनके गृहग्राम में मंगलवार सुबह किया सांसदव मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह भी पहुंचे खजुराहो सांसद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा व खनिज साधन व श्रम मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह विशेष विमान से शव लेकर शाम करीब सात बजे खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचे।

डिजीटल संस्करण

https://sbpatra.in

पर उपलब्ध

मतदान दलो का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिवीर आयोजित

नीमच। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल के मार्गदर्शन में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत नियुक्त मतदान दलों, पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक एक का मतदान एवं मतगणना संबंधी प्रशिक्षण शहर के टाउन हॉल, जावद के उत्कृष्ट विद्यालय एवं मनासा के शासकीय रामचन्द्र विश्वनाथ महाविद्यालय में शनिवार व रविवार को आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक एक को मतदान व मतगणना के सबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। मतदान दलों के प्रशिक्षण में मतदान दलों में शामिल कर्मचारियों की संख्या, मतदान सामग्री वितरण स्थल,मतदान सामग्री को चेक करने, मतदान केंद्रों पर पहुंचने पर की जाने वाली कार्यवाही की मतदान अधिकारियों के साथ बैठक, मतदान केंद्र पर मतदान प्रारम्भ करने से पूर्व की तैयारी, मतदान समय, मतदान अभिकर्ताओं की बैठक व्यवस्था, मतदान केंद्रो पर प्रवेश, मतदान प्रकोष्ठ आदि के संबध मे विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

सरपंच पद के लिए साइकिल से आवेदन करने पहुंचा दावेदार

मन्दसौर/बाजखेड़ी।अरनिया निजामुद्दीन मे सरपंच का चुनाव लड़ने वालों के सबसे ज्यादा 9 फार्म जमा हुए है। अरनिया निजामुद्दीन में सरपंच पद हेतु ललिता भैरूलाल अहीरवार साइकिल से अपना आवेदन जमा करने आई। ललिता ने बताया कि मजदूरी करते हैं उम्मीद जगी है कि अबकि बार ग्रापं में फार्म भरकर देखे, जीत हुई तो ग्रापं का अच्छा कार्य करेंगे।सरपंच हेतु 12 तथा पंच हेतु 23 फार्म जमा हुए हैं।

ग्वालियर के अपनी पत्नी

ग्वालियर, शहर के थाटीपुर में दर्पण कालोनी में रहने वाले कांग्रेस के पूर्व जिला प्रवक्ता ऋषभ भदौरिया ने अपनी पत्नी भावना की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब ढाई बजे की है। बताया जाता है कि पति पत्नी के बीच में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, इसी दौरान गुस्से में ऋषभ ने पत्नी पर फायर कर दिया। जिस समय घटना हुई बच्चे भी वहीं सो रहे थे, मां को गोली लगते देख वह भी डरकर सहम

कॉंग्रेस पूर्व प्रवक्ता ऋषभ भदौरिया ने भावना की गोली मारकर हत्या कर दी।

गए। आरोपित अपनी पत्नी को गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गया है। दर्पण कालोनी में ऋषभ भदौरिया अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ निवास करते हैं। उनके पास वाले घर में ही पिता एवं अन्य सदस्य रहते हैं। रात को ढाई बजे गोली चलने की आवाज सुनकर पिता एवं अन्य सदस्य भी घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। हालांकि कोई भी परिवार का सदस्य फिलहाल इस बारे में कुछ भी बता नहीं रहा है। पुलिस बच्चों एवं अन्य परिजनों से बात कर कारण पता लगाने का प्रयास कर रही है।ऐसे आए थे चर्चाओं में: दर्पण कालोनी थाटीपुर में कांग्रेस नेता ऋषभ भदौरिया का निवास हैं।

यह शहर जिला कांग्रेस कमेटी में पूर्व प्रवक्ता भी रह चुके हैं। दो अप्रैल को ग्वालियर चंबल में भड़की हिंसा के दौरान ऋषभ का नाम चर्चाओं में आया था। इस मामले में इनका नाम भी आया था। साथ ही पुराने आपराधिक प्रकरणों के चलते जिला दंडाधिकारी की तरफ से वर्ष 2020 में ऋषभ के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई का नोटिस भी जारी किया गया था। आज सुबह जब लोगों ने ऋषभ के घर से गोली चलने की आवाज सुनी तो सब हैरान रह गए, अंदर जाकर देखा तो भावना का लहूलुहान शव घर में पड़ा था। पुलिस मौके पर जांच में जुटी है।

नगरीय निकाय क्षेत्रों की सीमा में धारा–144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नीमच नगरीय निकाय निर्वाचन–2022 के कार्यक्रम की घोषणा राज्य निर्वाचन अयोग द्वारा की जा चुकी है। निर्वाचन प्रक्रिया प्रारम्भ होने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता भी लागू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मंयक अग्रवाल द्वारा जिले की समस्त नगरीय निकायों की राजस्व सीमाओं में लोक शांति कायम रखने एवं आमजनों की सुरक्षा को दृष्टिगत रख दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर अस्त्र–शस्त्र धारण नही करेगा। जिसमें आग्नेश्य शस्त्र, बंदूक, पिस्तौल, रिवाल्वर व अन्य हथियार, बल्ल्म, भाला, खंजर, शमशीर, फरसा, फालिया चाकू आदि शामिल हैं, जिससे किसी को क्षति पहुंचे। उक्त आदेश उन हथियारों पर भी बराबरी से लागू होंगे, जिन्हे धारण करने हेतु पूर्व से ही सक्षम अधिकारी द्वारा लाइसेंस प्राप्त किया है। इस आदेश के प्रभावशील होते ही सभी प्रकार के लाइसेंस निलंबित समझे जाएंगे। इस आदेश के तहत कोई व्यक्ति राजनीतिक दल, संघ, संगठन, संस्था आदि सक्षम प्राधिकारी से बिना पूर्वानुमति के किसी प्रकार की सभा,वाहन रैली, साधारण रैली नही निकालेगें। राजनीतिक दल संगठन, संस्था आदि सक्षम प्राधिकारी से बिना पूर्वानमति के कोई सभा नही कर सकेगें। सभा का आयोजन सडक, शासकीय, अशासकीय स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मैदान अन्य शैक्षणिक संस्थान या शासकीय कार्यालयों के परिसरों में नहीं किया जा सकेगा। ऐसी सभाओं का आयोजन किसी धार्मिक स्थान यथा, मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा आदि पर नही किया जा सकेगा। इसी तरह कोई व्यक्ति राजनीतिक दल, संघ, संगठन संस्था आदि किसी समुदाय या धर्म विशेष को लेकर या अन्य प्रकार के आपत्तिजनक भाषण,संवाद नारे आदि का उपयोग नही करेगा, चाहे वह मौखिक अथवा मुद्रित रूप में हो, जिससे सांप्रदायिक अथवा अन्य प्रकार से लोकशांति भंग हो सकती है। सम्पूर्ण निर्वाचन अवधि के दौरान सभा में वाहन या अन्यथा लाउडस्पीकर के उपयोग से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना होगी। सभी होटल, लाज, धर्मशाला, सराय, गेस्ट हाउस आदि में रुकने वालों की जानकारी का रजिस्टर संधारित कर उसकी सूचना संचालक या प्रबंधक को, संबधित थाना प्रभारी को देना होगी। सभा, जुलूस अथवा रैली के आयोजन हेतु स्वीकृति प्राप्त करने का आवेदन प्रस्तुत करने से पूर्व इस बात की जानकारी लेना होगी, जिसमें मार्गों या मार्ग के किसी भाग पर निर्बन्धात्मक आदेश तो जारी नही किया है, यदि ऐसा है,तो उसका कडाई से पालन सुनिश्चित किया जावेगा। निषेधाज्ञा अवधि में निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन, निर्वाचन आयोग की शर्तो का पालन एवं सम्पत्ति विरूपण अधिनियम का पालन करना होगा, जिसमें निजी एवं सार्वजनिक दोना प्रकार की संपत्ति शामिल है। प्रत्येक व्यक्ति राजनीतिक दल, संघ संगठन, संस्था आदि को मप्र कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1984 का पालन सुनिश्चित करना चाहिए। निर्वाचन कार्य हेतु सुरक्षाकर्मी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, पुलिस, विशेष पुलिस अधिकारी, सीपीएफ, बीएसएफ या सुरक्षाबल जिन्हें जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक द्वारा नियुक्त किया गया है, उन पर लागू नहीं होगी। आयोग के कार्यक्रमानुसार नामांतरण फार्म प्राप्ति की तिथि से लेकर नाम वापसी के दौरान रिटर्निगं, सहायक रिटर्निंग आफीसर कार्यालय की 100 मीटर की परिधि के अंदर दो व्यक्तियों से अधिक का प्रवेश वर्जित रहेगा। निषेधाज्ञा अविध में 4 या 4 से अधिक व्यक्ति एक ही स्थान पर एकत्रित नही हो सकेंगे। उक्त आदेशों का उल्लघंन करने पर धारा 188 सहित अन्य विधियों के तहत दंडनीय अपराध का दोषी होकर उसे विधि के प्रविधानों के तहत अभियोजित किया जा सकेगा।

मनासा तहसील में संभाग का सबसे बडा सार्वजनिक स्विमिंग पूल

जिला तैराकी संघ की मांग पर 50 बाय 25 मीटर के स्विमिंग पूल का किया भूमिपूजन

। जिले के तैराकों के लिए यह अच्छी खबर हैं कि उन्हें जल्द ही एक और स्विमिंग पूल की सौगात मिलने वाली है। जिले की मनासा तहसील मुख्यालय पर उज्जौन संभाग का सबसे बड़ा इंटरनेशनल लेवल का स्विमिंग पूल तैयार हो रहा है। जिला तैराकी संघ की मांग पर क्षेत्रीय विधायक अनिरूद्घ मारू ने यहां पूर्व में जारी टेंडर में बदलाव करवाकर 50 मीटर लंबा व 25 मीटर चौड़ा नया पूल बनाने स्वीकृति शासन से करवाकर गत 29 मई को उसके निर्माण के लिए भूमिपूजन भी कर दिया है। 3.59 करोड़ की लागत से बनने वाले इस पूल का काम अब तेज गति से शुरू हो गया है।जिला तैराकी संघ अध्यक्ष अशोक मोदी ने बताया तैराकी क्षेत्र में जिले के बधों का रूझान बढता जा रहा है। साथ ही कईप्रतिभाओं ने नीमच का नाम राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। इसीको देखते हुए आने वाले समय में इनकी संख्या बढने वाली है। साथ ही जिले की जावद–मनासा तहसील के भी बधों को स्विमिंग सीखने नीमच आना पड़ता है। ऐसे में मनासा में एक नया पूल बनाने सालों से चली आ रही मांग अब पूरी होने वाली है। चार साल पहले यहां वृदांवन गार्डन के पास सांडिया रोड पर स्विमिंग पूल स्वीकृत हुआ था चूंकि वह इंटरनेशनल मापदंड अनुसार नहीं था। ऐसे में तैराकों के भविष्य को देखते हुए जिला तैराकी संघ ने पूल का क्षेत्रफल 50 बाय 25 मीटर करने की मांग की गई थी। जिस पर विधायक मारू ने तुरंत संज्ञान में लेकर नए सिरे से नगरपरिषद के माध्यम से स्वीकृति दिलाई। जिसका गत 29 मई को समारोह पूर्वक जिला तैराकी संघ पदाधिकारियों की उपस्थिति में भूमिपूजन भी कर दिया है। इस मौके पर संघ की ओर से विधायक मारू का कार्यक्रम में मंच पर सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर संघ जिला कोषाध्यक्ष शरद जैन के साथ पूरी टीम के साथ मनासा संघ के राजेश वर्मा, अरविंद मामा, मनोहर सोनी, गिरीश भट्ट और जवाद संघ से भारत जाट व अन्य सभी सदस्य उपस्थितभी थे।

बेबी पूल बनाने की भी घोषणा – संघ जिलाध्यक्ष अशोक मोदी द्वारा उक्त कार्यक्रम में मंच से स्विमिंग पूल के साथ ही परिसर में ही वार्मअप पूल, डायविंग पूल और बेबीपूल बनाने की मांग की। जिस पर विधायक मारू ने मंच से ही विधायक निधि से बेबी पूल साथ में बनाने की घोषणा कर दी और अन्य दो पूलों के लिए प्रोजेक्ट बनाकर शासन को भेजकर स्वीकृति कराने का भी आश्वासन दिया। मोदी ने बताया कि मनासा का पूल बनने के बाद वह उज्जौन संभाग में सबसे बड़ा पूल होगा, जहां कई इंटरनेशनल स्पर्धाएं भी आयोजित की जा सकेंगी, जिसका लाभ जिले के बधों को मिलेगा।

पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण का संकल्प लें डा.पाटिल

शुक्रवार को ज्ञानोदय नर्सिंग कॉलेज में छात्र–छात्राओं का उन्मुखीकरण किया गया। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर डॉ. महेंद्र पाटिल ने सभी छात्रों को ग्लोबल वार्मिगि से होने वाले नुकसान,ओजोन परत क्षरण के नुकसान एवं पर्यावरण संरक्षण के बारें में विस्तार से जानकारी दी। डा. पाटिल ने बताया, कि हम सभी को अपने घरों, कार्यालय, शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य संस्थानों में पेड़ जरूर लगाना है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से धरती का तापमान बढ़ रहा है। ओजोन परत में कमी से सूर्य की किरणें सीधे मानव शरीर को नुकसान पहुंचाती हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि प्रकृति को सुरक्षित रखें, आसपास पेड़ लगाए, जल प्रबंधन करें। आवागमन में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करना चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस पांच जून के अवसर पर सभी को पेड़ लगाना है और उसको बड़ा करने की जिम्मेदारी लेना है।

कलेक्टर व पुलिस अधिक्षक ने निर्वचन तैयारियों का लिया जायजा।

नीमच। कलेक्टर मयंक अग्रवाल, एसपी सुरज कुमार वर्मा एवं एडीएम नेहा मीना ने गुरुवार को मनासा में शासकीय महाविद्यालय पहुंचकर पंचायत निर्वाचन के तहत स्थापित स्ट्रांग रूम, मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति स्थल का निरीक्षण किया और सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने एसडीएम पवन बारिया से मनासा में मतदान दलों के प्रशिक्षण व निर्वाचन संबंधित अन्य व्यवस्थाओं तैयारियों की जानकारी भी ली। एसपी वर्मा ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने जावद में भी स्ट्रांग रूमएवं मतदान दलों के प्रशिक्षण की व्यवस्था एवं सामग्री वितरण स्थल का निरीक्षण किया और निर्वाचन तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर एसडीएम मनासा बारिया, एसडीएम जावद राजेंद्र सिह, तहसीलदार व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

सरवानिया महाराज। श्री वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जन्म जयंती के अवसर पर समस्त राणावत समाज द्वारा नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसका नगरवासियों द्वारा जगह–जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनंदन किया गया। शोभायात्रा रावला चौक मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई जो सदर बाजार दरवाजा व हरिया भेरू चौक होते हुए राणावत छात्रावास पहुंची। समाजजनों द्वारा महाराणा प्रताप के चित्र सम्मुख माल्यार्पण कर वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। इस दौरान जगतगुरु शंकराचार्य ने भी कार्यक्रम में उपस्थिति देकर समाजजनों को आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं समाजजनों द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य की चरण–पूजा कर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में जगतगुरु शंकराचार्य ने उद्बोधन देते हुए राजपूत समाज का गौरवशाली इतिहास एवं समर्पण भाव का विस्तृत वर्णन किया गया। कार्यक्रम में मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा ने भी उपस्थित होकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें याद किया। इस अवसर पर नगर सहित आस पास बीस गांवों के समाज जन उपस्थित रहे। श्री महाराणा प्रताप जन्म उत्सव समिति सभी का आभार व्यक्त किया।

चोरो को तीन वर्ष का सश्रम कारावास

न्यायालय ने आफिस का ताला तोड़कर चोरी करने वाले तीन बदमाशों को तीन–तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही एक हजार रुपये के जुर्माने से दंडित भी किया है। फैसला न्यायधीश संध्या मरावी ने सुनाया है। एडीपीओ रितेश कुमार सोमपुरा ने बताया कि घटना करीब सात वर्ष पूर्व 16 मार्च 2015 की है। फरियादी अमित राठौर फैक्ट्री का मालिक है व उसका आफिस शहर के राठौर परिसर में है। घटना वाले दिन वह रात्रि के करीब नौ बजे आफिस में ताला लगाकर गया था। अगले दिन सुबह जब आफिस पहुंचा तो देखा कि ताला टूटा हुआ था व आफिस के अंदर का सामान अस्त–व्यस्त था। लैपटाप, कम्प्यूटर, तीन मोबाइल, नगद करीब 10 हजार रुपये व अन्य संपत्ति की चोरी हो गई थी। चोरी की रिपोर्ट शहर के पुलिस थाना नीमच कैंट में की गई। विवेचना के दौरान एसआइ केके वसुनिया ने तीन संदेही आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनके द्वारा बताए गए स्थानों से चोरी का माल बरामद कर अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। चोरी करने वाले 40 वर्षीय मुनेश जगदीशसिंहद राजपूत निवासी–ग्राम नेवड़, 37 वर्षीय गोटू उर्फ मिथलेश विरेन्द्र कुमार जैन, निवासी–घंटाघर के पास, शिवगंज गोपाल गली तथा 31 वर्षीय हेमंत उर्फ महेन्द्र विरेन्द्र कुमार भंडारी निवासी–घंटाघर गली को तीन वर्ष के कठोर कारावास व 1000–1000 रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

मारपीट करने वाले दो बदमाशों को एक–एक वर्ष का सश्रम कारावास

एडीपीओ विवेक सोमानी ने बताया कि घटना करीब पांच वर्ष पूर्व की होकर 22 नवंबर 2017 को रात्रि के करीब नौ बजे ग्राम सोनियाना स्थित फरियादी नोंदराम के घर के बाहर की है। फरियादी व आरोपित के मध्य पहले से ही विवाद चला आ रहा है, जिसमें गांववालों ने समझौता कराने की कोशिश की थी, लेकिन उनमें कोईसमझौता नही हुआ। घटना वाले दिन फरियादी घर के बाहर काम कर रहा था, तभी वहां पर दोनों आरोपित आए और विवाद करते हुए लट्ठ से उसके साथ मारपीट की। मारपीट से फरियादी को कई चोटें आई तथा उसकी पसलियों में फ्रैक्चर हो गया। फरियादी द्वारा घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना बघाना पर की, जिस पर से अपराध पंजीबद्घ विवेचना में लिया गया।शहर के बघाना थाना पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। जहां 42 वर्षीय रमेश तुलसीराम कुमावत व 32 वर्षीय नारायण रमेश कुमावत दोनों निवासी–ग्राम सोनियाना को एक–एक वर्ष के कठोर कारावास व एक–एक हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

जरूरी है अन्न का संरक्षण दुनिया में खाद्यान्न संकट तेजी से गहराता जा रहा है - अतुल कनक

दुनिया में कुल बर्बाद किए जाने वाले भोजन में इकसठ फीसद मात्रा घरेलू भोजन की है। इतना ही नहीं, हर साल करीब साठ लाख गिलास दूध तक बेकार बहा दिया जाता है। यह चिंता की बात इसलिए है कि अगले चार दशकों में दुनिया में चालीस करोड़ लोग भुखमरी के संकट का सामना कर रहे होंगे

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनिया में खाद्यान्न संकट तेजी से गहराता जा रहा है। यही हाल रहा तो सन 2050 तक दुनिया भर में अन्न के लिए संघर्ष की स्थिति आ जाएगी। यदि रोटी को मनुष्य की एक बुनियादी जरूरत मानी गई है तो खाद्यान्न उस जरूरत को पूरा करने वाला अनिवार्य अवयव है। ऐसे में मनुष्यता को बचाने के लिए खाद्यान्न की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धि सुनिश्चित करना जरूरी हो जाता है। लेकिन हाल में संयुक्त राष्ट्र ने इस बात पर चिंता जता दी है कि मौजूदा हालात में दुनिया के पास केवल सत्तर दिन का अन्न भंडारण बचा है। निश्चित रूप से यूक्रेन पर रूस के हमले ने हालात भयावह बना डाले हैं। रूस और यूक्रेन मिल कर दुनिया को एक चौथाई अनाज की आपूर्ति करते हैं। लेकिन रूस के हमले ने यूक्रेन की व्यवस्थाओं को तहस–नहस कर डाला है। यह वही यूक्रेन है, जिसे उसकी खाद्यान्न उत्पादन क्षमताओं के कारण यूरोप की रोटी की टोकरी कहा जाता है। पिछले मौसम में रूस में गेहूं की अच्छी पैदावार हुई है, जबकि प्राकृतिक प्रकोपों के कारण अमेरिका और यूरोप के देशों में अन्न कम हुआ है। इस स्थिति ने दुनिया की रूस पर निर्भरता बढ़ा दी है। उधर, भारत द्वारा गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के कारण उन देशों के चेहरे मायूस हैं जो ऐसी स्थिति में भारत से अतिरिक्त मदद की उम्मीद लगाए थे।

हालांकि गेहूं निर्यात पर रोक लगाने के भारत के अपने कारण हैं। किसी भी देश की लोकतांत्रिक सरकार का पहला कर्तव्य यह होता है कि वह अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करे। पड़ोसी देश श्रीलंका में पैदा हुए खाद्यान्न संकट और दुनिया में खाद्यान्न की बढ़ती किल्लत को देखते हुए भारत सरकार को यह आवश्यक लगा कि पहले देश की खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। ऐसे में गेहूं के निर्यात पर रोक लगाना ही एक विकल्प था। खाद्यान्न संकट किसी भी समाज को किस तरह त्रस्त और पस्त कर सकता है, श्रीलंका का उदाहरण इसका प्रमाण है, जहां भोजन की कमी से जूझ रहे लोगों को हिंसक प्रदर्शनों के लिए मजबूर होना पड़ गया।

दुनिया में जब आबादी का बड़ा हिस्सा जरूरत भर अन्न की चिंता में जीवन गुजार देता हो, तब ऐसे में अन्न की बर्बादी चिंता का विषय बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में बनाए जाने वाले कुल भोजन का एक तिहाई हिस्सा अभी भी बर्बाद ही जाता है। यह बर्बादी या तो थाली में जूठन छोड़ दिए जाने के कारण होती है, या बचा हुआ भोजन फेंक देने या उसके खराब हो जाने के कारण होती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि जितना भोजन इस तरह खराब होता है, उससे दो अरब लोगों का पेट भरा जा सकता है। भारतीय समाज में भोजन या अन्न की बर्बादी को शुभ नहीं माना जाता, लेकिन अध्ययन में सामने आया है कि भारत में इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिवर्ष अनाज, सब्जियां और अन्य खाद्य पदार्थ बर्बाद कर दिए जाते हैं कि उतनी मात्रा से बिहार जैसे राज्य की आबादी की साल भर की जरूरत पूरी की जा सकती है।

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय की फसल अनुसंधान इकाई सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग (सीफैट) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल करीब सड़सठ लाख टन खाद्य पदार्थों की बर्बादी होती है। इस बर्बाद हुए भोजन की कीमत बानवे हजार करोड़ रुपए बैठती है। महत्त्वपूर्ण यह है कि जितना खाद्य पदार्थ भारत में बर्बाद हो जाता है, उतनी तो ब्रिटेन की कुल उत्पादन क्षमता है। यही कारण है कि दुनिया में चीन के बाद दूसरे नंबर का सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादन देश होने के बावजूद भारत में अन्न वितरण की स्थिति कई बार बहुत सुखद प्रतीत नहीं होती। बची हुई भोजन सामग्री के अलावा फल, सब्जियों और अन्न के बर्बाद होनके पीछे उन्हें संग्रहित करने की सुचारू और पर्याप्त व्यवस्था का अभाव भी है। शीत गृहों की कमी के कारण भी हर साल बाईस प्रतिशत फल और सब्जियां खराब होने पर फेंक दी जाती हैं। गोदामों में भरा गेहूं सड़ने की तस्वीरें तो अखबारों में अक्सर छपती रहती हैं।

निश्चित रूप से रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों में खाद्यान्न आपूर्ति चरमरा गई है, लेकिन सच तो यह है कि इस युद्ध ने केवल उस भयावहता की एक झलक दिखाई है जिसका सामना आने वाले वर्षों में दुनिया को करना पड़ सकता है। दरअसल, दुनिया में तेजी से बढ़ती आबादी के कारण रिहायशी मकानों और अन्य निर्माणों की जरूरत बढ़ती जा रही है। आमतौर पर विकास की हर योजना संबंधित क्षेत्र की कृषि भूमि का एक महत्त्वपूर्ण हिस्से का गला घोंटती है।

योजना चाहे नवीन राजमार्गों के निर्माण की हो अथवा शहर के बाहर किसी औद्योगिक इकाई की स्थापना की या फिर किसी नई आवासीय योजना की। परिणाम यह हो रहा है कि जहां खाने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, वहीं कृषि योग्य भूमि का रकबा लगातार घटता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार साल 2050 तक दुनिया की आबादी एक हजार करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। यानी साल 2017 के आंकड़ों से तुलना करें तो साल 2050 में सत्तर प्रतिशत अधिक भोजन की आवश्यकता होगी। जबकि पृथ्वी से हर साल सात सौ पचास करोड़ टन उपजाऊ मिट्टी खत्म हो रही है। जाहिर है, जल्दी ही सार्थक विकल्प नहीं खोजे गए तो संपूर्ण आबादी के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उत्पादन का बड़ा संकट खड़ा होगा।

जब आबादी का बड़ा हिस्सा कचरे के ढेर से भी भोजन की तलाश के लिए विवश हो, तब अन्न के एक कण की बर्बादी भी संपूर्ण मानवता के प्रति बड़ा अपराध प्रतीत होता है। लेकिन जाने–अनजाने हम सब यह अपराध कर रहे हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि दुनिया में सबसे ज्यादा बर्बाद होने वाला खाना रेस्टोरेंट या होटलों का नहीं, बल्कि घरों में बनने वाला होता है। दुनिया में कुल बर्बाद किए जाने वाले भोजन में इकसठ फीसद मात्रा घरेलू भोजन की है। इतना ही नहीं, हर साल करीब साठ लाख गिलास दूध तक बेकार बहा दिया जाता है। यह चिंता की बात इसलिए है कि अगले चार दशकों में दुनिया में चालीस करोड़ लोग भुखमरी के संकट का सामना कर रहे होंगे।

संयुक्त राष्ट्र खाद्यान्न और कृषि संस्था का कहना है कि दुनिया में अन्न और दूसरे खाद्यान्न की लगातार कमी होती जा रही है। एक तो जनसंख्या दबाव के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है, ऊपर से खेती के बदले हुए तरीकों और रासायनिक उर्वरकों ने ही नहीं, जलवायु संकट ने भी कृषि भूमि की उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। इसीलिए अब वैज्ञानिक यह चेतावनी देते दिखने लगे हैं कि समय रहते यदि दूसरे ग्रहों पर पानी, जीवन और कृषि संभावनाओं की खोज नहीं की गई तो आने वाला समय बहुत परेशानियों का समय होगा, क्योंकि आबादी बढ़ेगी तो अन्न की मांग बढ़ेगी और यदि धरती से लोगों की मांग के अनुसार अन्न उत्पादित नहीं किया जा सका तो खाद्यान्न के कारण परस्पर संघर्ष बढ़ेंगे और ये संघर्ष जीवन में सद्भाव और शांति को सर्वत्र भंग करेंगे। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम अन्न के प्रत्येक कण का महत्त्व समझें।

घाटी में सक्रिय सीमा पर से समर्थित आतंकवाद

अब कश्मीर घाटी में लक्षित हत्या आए दिन की बात हो चली है। पिछले दिनों हुई हत्याओं को लेकर अभी लोगों का रोष थमा भी न था कि एक और बैंककर्मी की उसके दफ्तर में घुस कर हत्या कर दी गई। वह राजस्थान का निवासी था। हाल में हुई हत्याओं से क्षुब्ध कश्मीरी पंडितों और मैदानी भागों से वहां जाकर नौकरी कर रहे लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि अगर सरकार उनकी सुरक्षा के इंतजाम नहीं कर सकती, तो उन्हें एक बार फिर घाटी छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

इस पर सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि घाटी में काम कर रहे हिंदुओं की तैनाती सुरक्षित स्थानों पर की जाएगी। मगर इसे लक्षित हत्याओं को रोकने का कोई समाधान नहीं माना जा रहा। पिछले एक साल में सोलह कश्मीरी पंडितों को निशाना बना कर मारा जा चुका है। यानी आतंकियों का मकसद साफ है कि वे फिर से उनमें दहशत भर कर घाटी छोड़ने को विवश करना चाहते हैं। वर्षों से विस्थापित कश्मीरियों को घाटी में लौटाने के प्रयास हो रहे हैं। इसी के तहत बहुत सारे लोगों की वहां की सरकारी नौकरियों में भर्ती की गई। अब आतंकी उन्हें निशाना बना कर मार रहे हैं, तो स्वाभाविक ही उनके परिजनों में भय पैदा हो गया है। घाटी में सक्रिय आतंकवादियों को सीमा पार से समर्थन मिलता रहा है, यह उजागर तथ्य है। मगर पिछले कुछ सालों में, जबसे उधर से होने वाली घुसपैठ पर कड़ी नजर रखी जाने लगी है, उन्हें वित्तीय मदद पहुंचाने वालों में से ज्यादातर को सीखचों के पीछे डाल दिया गया है, उनकी संस्थाओं के बैंक खाते बंद कर दिए गए हैं और सुरक्षाबलों का निरंतर तलाशी अभियान चल रहा है, तबसे घाटी में उनकी तादाद काफी कम हो गई है। ऐसे में दहशतगर्द बार–बार अपना तरीका बदलते दिख रहे हैं। मुसलमानों के लिए काशी और मथुरा का मतलब क्या है? जानें– इस सवाल पर क्या बोले मदनी पहले स्थानीय लोगों में भय पैदा करके कश्मीरी युवाओं को सेना और पुलिस में भर्ती होने से रोकने का प्रयास किया। जिन लोगों ने उनके फरमान को अनसुना किया, उन्हें लक्ष्य बना कर मार डाला गया। मगर उसका भी वहां के लोगों पर बहुत असर नहीं दिखा। अब उन्होंने लक्ष्य बना कर ऐसे लोगों की हत्या करनी शुरू की है, जिससे सरकार पर आसानी से दबाव बनाया जा सके। हालांकि आए दिन मुठभेड़ में आतंकी मार गिराए जाते हैं, फिर भी वे कहीं न कहीं किसी वारदात को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। अब इसके पीछे की उनकी रणनीति भी उजागर है।

माना जा रहा है कि आतंकियों के पास पहले की तरह अत्याधुनिक हथियार और विस्फोटक उपलब्ध नहीं हो पाते। उन्हें अपने छिपने की जगहें तलाश करना भी आसान नहीं रह गया है। ऐसे में वे बेरोजगार युवाओं को गुमराह कर और कुछ पैसे का लालच देकर लक्षित हत्या के लिए तैयार कर लेते हैं। उन्हें पिस्तौल देकर लक्ष्य का पीछा करने को छोड़ दिया जाता है। ऐसे लोगों पर सुरक्षाबलों की नजर फिलहाल नहीं जा पा रही है, इसलिए वे आसानी से अपनी योजना में कामयाब हो पा रहे हैं। मगर हैरानी की बात है कि जब घाटी के चप्पे–चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती होती है, तब सरकारी दफ्तरों के भीतर घुस कर आतंकी कैसे हत्या करने में कामयाब हो जा रहे हैं। यह सुरक्षा इंतजामों में भारी खामी को रेखांकित करता है। इस मामले में सरकार से नई रणनीति बनाने की अपेक्षा स्वाभाविक है।

सम्राट पृथ्वीराज पर मोहन भागवत का बयान अभी तक दुसरो का लिख इतिहास पढा अब,ओर फिल्म की की प्रशंसा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को दिल्ली में अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज देखी। फिल्म देखने के बाद उन्होंने इसकी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा– यह तथ्यों पर आधारित फिल्म है। ये जो संदेश देती है, उसकी आज देश को जरूरत है। अब तक हम दूसरों का लिखा हुआ इतिहास पढ़ते आए थे। अब हम भारतीय नजरिये से अपने इतिहास की तरफ देख रहे हैं। भागवत ने कहा– पृथ्वीराज चौहान, मोहम्मद गोरी, मत चूको चौहान यह सब हम पहले भी पढ़ चुके हैं, लेकिन ये सब किसी और ने लिखा था। भारत की भाषा में भारत में लिखा हुआ, जो चित्रित किया गया है, वो आज हमने पहली बार हम देख रहे हैं। भागवत ने कहा कि हमारे इतिहास को हम अपनी नजर से अपने हृदय से समझ रहे हैं। इसे समझने का मौका देशवासियों को मिलेगा तो निश्चित ही इसका परिणाम देश के भविष्य के लिए अच्छा होगा। भारतवासी सब एक होकर भारत के सम्मान की रक्षा करने में उस प्रकार से राक्रमी होंगे, जिस प्रकार से राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा बयान दिया था। नागपुर में – राष्ट्रीय स्वयंसेवक के एक कार्यक्रम में गुरुवार शाम भागवत ने कहा था– ज्ञानवापी का एक इतिहास है, जिसे हम बदल नहीं सकते। आज के हिंदू और मुसलमानों ने इसे नहीं बनाया है। रोज एक मस्जिद में शिवलिंग को क्यों देखना? झगड़ा क्यों बढ़ाना। वो भी एक पूजा है जिसे उन्होंने अपनाया है। वो यहीं के मुसलमान हैं।श भागवत ने आगे कहा– वे बेशक बाहर से आई है, लेकिन वह भी एक पूजा–पद्धति है, और जिन्होंने अपनाई है, उन सबके पूर्वज भी हमारे ऋषि–मुनि और क्षत्रिय ही हैं। अमित शाह ने भी की है फिल्म की तारीफ – केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी नई दिल्ली में बुधवार शाम फिल्म सम्राट पृथ्वीराज देखी थी। शाह ने फिल्म और कलाकारों की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा था– इतिहास के एक छात्र के रूप में इस फिल्म का आनंद लिया, जिसमें भारत के सांस्कृतिक युद्धों को दर्शाया गया है। 13 साल बाद अपने परिवार के साथ थिएटर में फिल्म देख रहे थे। योगी ने पूरे कैबिनेट के साथ देखी फिल्म – सीएम के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ गुरुवार को सम्राट पृथ्वीराज फिल्म देखी। लखनऊ के लोक भवन में इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई थी। फिल्म देखने बाद योगी आदित्यनाथ ने इसे न्च में ट्रैक्स फ्री करने की घोषणा की थी। अखिलेश बोले– इतिहास के आटे से वर्तमान की रोटी नहीं बन सकती–योगी सरकार के मूवी स्क्रीनिंग में शामिल होने पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा था। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा था– ऐतिहासिक फिल्म देखने के बाद कैबिनेट से आग्रह है कि की वर्तमान हालत भी देखें। इतिहास के आटे से वर्तमान की रोटी नहीं बन सकती।

सडकों पर इलेक्ट्रीक ट्रैक्टर दौडाने की बारी, एग्रीकल्चर इक्विपमेंट में एथेनॉल के इस्तेमाल की भी तैयारी - गडकरी

इलेक्ट्रिक स्कूटर, कार और बस सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। अब वह दिन दूर नहीं जब इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और ट्रक भी भारतीय सड़कों पर दौड़ते हुए नजर आएंगे। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को स्टेट लेवल शुगर कॉन्फ्रेंस 2022 में कहा कि वे बहुत जल्दी ही इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और ट्रक लॉन्च करने वाले हैं। साथ ही गडकरी ने शनिवार को एथेनॉल जैसे ऑप्शनल फ्यूल के इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेती–किसानी और मैन्युफैक्चरिंग डिवाइस में एथेनॉल के इस्तेमाल के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने ऑप्शनल फ्यूल के इस्तेमाल के महत्व को भी बताया स्टेट लेवल शुगर कॉन्फ्रेंस 2022 का आयोजन वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट पुणे ने किया था। गडकरी ने कहा कि देश अपनी फ्यूल व बिजली की जरूरतों की पूर्ति के लिए हर साल 10 लाख करोड़ रुपए का पेट्रोलियम इंपोर्ट करता है।अगले पांच साल में यह मांग बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। इससे अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि डीजल से चलने वाली एग्रीकल्चर इक्विपमेंट को पेट्रोल बेस्ड बनाया जाना चाहिए और फ्लेक्स इंजनों को एथेनॉल बेस्ड बना सकते हैं। गडकरी ने आगे कहा कि एथेनॉल को बनाने वाली इंडस्ट्री में लगने वाले इक्विपमेंट में इस्तेमाल करने की तैयारी जारी है। शुगर प्रोडक्शन से एथेनॉल की ओर बढ़ने की जरूरत केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शुगर प्रोडक्शन से अब एथेनॉल प्रोडक्शन की ओर बढ़ने की जरूरत है। दुनियाभर में शुगर की मांग में वृद्धि अस्थाई है। जब कच्चे तेल के दाम बढ़कर 140 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचते हैं, तो ब्राजील गन्ने से एथेनॉल बनाना शुरू कर देता है। इससे भारत से शुगर की मांग बढ़ जाती है। जब कच्चे तेल के दाम घटकर 70 से 80 डॉलर प्रति बैरल पर आ जाते हैं तो ब्राजील शुगर प्रोडक्शन शुरू कर देता है। उन्होंने कहा कि जब कच्चा तेल सस्ता होता है तो शुगर के दाम भी तेजी से नीचे आते हैं। अजीत पवार से पुणे में एथेनॉल पंप लगाने को कहा किसान को एथेनाल मिल सके इसके लिए कॉन्फ्रेंस में गडकरी ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार से पुणे में एथेनॉल पंप लगाने का आग्रह किया। ब्ड उद्धव ठाकरे ने कार्यक्रम को वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राज्य के शुगर प्रोडक्शन गंभीर संकट का सामना कर रहा है। ठाकरे ने कहा कि हमें मार्केट रिसर्च के लिए ब्राजील से सीखना होगा। ब्राजील सर्वे करता है और उसी के मुताबित 1 साल में सिर्फ एक फसल चुनता है। समय बदल रहा है और हमें टेक्नोलॉजी को अपनाना चाहिए। भविष्य इथेनॉल का होगा।

सलमान खान और सलीम खान को मिला धमकी भरा लेटर, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

लगता है कि एंटरटेंमेंट इंडस्ट्री इन दिनों गैंगस्टर के निशाने पर है। सिंगर मूसेवाला की हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था, कि अब जाने–माने एक्टर सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी मिली है। दी गई है। मुंबई पुलिस ने रविवार को इस बारे में जानकारी दी। सलमान खान के पिता सुबह जब जॉगिंग पर गए तो जहां वह बेंच पर बैठे थे, वहां उन्हें एक चिट्ठी मिली, जिसमें उन्हें और उनके बेटे सलमान खान को धमकी दी गई थी। मुंबई पुलिस ने इस लेटर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वैसे पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है, लेकिन इसमें पहले भी कोई कमी नहीं थी। खास तौर पर पंजाबी सिंगर मूसेवाल का हत्या के बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। इतनी सुरक्षा के बावजूद जब रविवार को सलमान खान और पिता सलीम खान को धमकी भरी चिट्ठी मिली, तो पुलिस की परेशानी बढ़ गई। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि चिट्ठी में किस तरह की धमकी दी गई है, लेकिन मीडिया सूत्रों के मुताबिक सलमान खान को जान से मारने का धमकी भरा लेटर मिला है। इस लेटर में लिखा था कि सलमान खान का भी सिद्धू मूसेवाला जैसा हाल कर देंगे। बांद्रा पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है और जांच में लग गई है। हाल ही में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके निधन से पूरी इंडस्ट्री में शोक पसरा हुआ है। इसी बीच सलमान खान को धमकी भरा लेटर मिलने के बाद उनके फैंस की चिंता बढ़ गई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही फिल्म श्टाइगर 3श में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म श्कभी ईद कभी दिवालीश की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

शाजापुर बीजेपी जिलाध्यक्ष ने टोल टेक्स माँगने पर कर्मचारियों को जम कर पीटा

आष्टा । पार्वती थाना अंतर्गत पटारिया गोयल ग्राम के पास बने नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर टोल टैक्स की वसूली को लेकर शनिवार को शाजापुर के भाजपा जिलाध्यक्ष अंबाराम कराड़ा का टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों से विवाद हो गया। इस पर भाजपा नेता और उनके समर्थकों ने टोल कर्मचारियों के साथजमकर मारपीट कर दी। दोनों पक्षों में फिल्मी स्टाइल में मारपीट व तोड़फोड़ काफी देर तक चलती रही। मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक, तीन थानों का पुलिस बल व अधिकारी सहित पुलिस लाइन से भी बल पहुंचा। हालत इतने बिगड़ गए कि टोल कर्मचारियों को जान बचाने के लिए खतों में दौड़ लगानी पड़ी। इसके अलावा टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ भी की गई।

जानकारी अनुसार शाजापुर जिलाध्यक्ष अंबाराम कराड़ा ने पहले तो टोल कर्मियों के साथ मारपीट की, वही इसके बाद पार्वती थाने पहुंच कर बड़ी संख्या में मौजूद अपने समर्थकों की मौजूदगी में टोल कर्मचारियों पर मामला दर्ज कराया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष और टोल कर्मचारियों के बीच मारपीट की सूचना मिलते ही मौके पर पार्वती थाना पुलिस भी पहुंची। खास बात यह है कि एफआइआर दर्ज कराने के बाद वापस लौटते समय जिला भाजपा अध्यक्ष ने अपने समर्थकों के साथ एक बार फिर टोल प्लाजा पर रुके। जहां टोल प्लाजा पर जमकर तोड़फोड़ की।जिलाध्यक्ष सहित 2 महामंत्री भी थे कार में सवारः टोल कर्मचारियों ने इस पूरे घटनाक्रम पर बताया कि काले कलर की स्कोर्पियो कार में चार लोग सवार थे, जिनमें शाजापुर जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष अंबाराम कराड़ा, जिला महामंत्री विजय बेस, जिला महामंत्री दिनेश शर्मा के साथ एक अन्य युवक भी मौजूद थे, जिन्होंने टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट की। बताया जा रहा है यह सभी भाजपा नेता शाजापुर से भोपाल संगठन की बैठक में शामिल होने जा रहे थे।

उत्तर प्रदेश के हापुड में फैक्ट्री मे विस्फोट से नौ मरे और उन्नीस घायल

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में आज शाम एक केमिकल फैक्ट्री के बॉयलर में विस्फोट हो गया। इस हादसे में 19 लोग घायल हो गए और 9 लोगों की मौत हो गई। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं थीं। हापुड़ डीएम मेधा रूपम, ने बताया कि यहां इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने की अनुमति थी, लेकिन जांच होनी चाहिए कि वास्तव में क्या हो रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि एक कमेटी बनाई जाएगी। फोरेंसिक टीम यह पता लगा रही है कि कौन सा रसायन(निर्माण कारखाने में विस्फोट में) प्राप्त किया गया है।पीएम नरेंद्र मोदी ने यूपी के हापुड़ में एक केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर ब्लास्ट में जानगंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, ष्मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर जाकर बचाव और राहत उपायों की निगरानी करने और पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव मदद देने का निर्देश दिया है। साथ ही यूपी के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता श्नंदीश ने उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है जिन्होंने विस्फोट में अपने प्रियजनों को खो दिया है। मंत्री ने ट्वीट किया, भगवान दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

https://sbpatra.in/

अमेरिका में मेडिकल कॉलेज में घुसकर की फायरिंग चार की मौत ,शुटर भी ढेर ।

अमेरिका में व्यक्ति अपनी पिस्तौल लेकर मेडिकल ऑफिस की बिल्डिंग में घुसा और अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें 4 लोगों की मौत हो बाद में शूटर भी ढेर

अमेरिका में फायरिंग की घटनाएं थम नहीं रही है। अब अमेरिका के ओक्लाहोमा शहर में बुधवार को गोलीबारी की एक घटना हुई है, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई है। यहां शहर के तुलसा इलाके में एक अस्पताल परिसर की इमारत में गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। गौरतलब है कि 8 दिन पहले ही टेक्सास में फायरिंग की घटना सामने आई थी, इसमें 19 छात्रों समेत 23 लोगों की मौत हो गई थी।अस्पताल में घुसा और शुरू कर दी फायरिंग – मिली जानकारी के मुताबिक यहां एक संदिग्ध व्यक्ति अपनी पिस्तौल लेकर मेडिकल ऑफिस की बिल्डिंग में घुसा और अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। आशंका है कि हमले के बाद शख्स ने अपनी जान भी ले ली। इस हमले में कुल 5 लोगों की मौत हुई है।

हमलावर की मौत का कारण साफ नहीं – स्थानीय पुलिस ने मरने वालों की संख्या की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावर की भी मौत हो गई। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि हमला क्यों हुआ और हमलावर को कैसे मारा गया। पुलिस ने फिलहाल बिल्डिंग की सील कर दिया है और तलाशी अभियान जारी है। हमले के बाद सेंट फ्रांसिस हेल्थ सिस्टम ने मेडिकल बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स को पूरी तरह से बंद कर दिया।8 दिन में फायरिंग की दूसरी घटना – अमेरिका में फायरिंग की लगातार हो रही घटनाओं ने यहां सभी को झकझोर कर रख दिया है। 8 दिन पहले टेक्सास के उवाल्डे के एक स्कूल में 18 साल के एक लड़के ने फायरिंग कर दी थी। इस हादसे में 19 छात्रों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। इसमें 2 शिक्षक भी शामिल थे। इससे पहले मई में बफेलो के सुपर मार्केट में फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें एक गोरे व्यक्ति ने 10 अश्वेतों को गोलियों से भून दिया था।

श्रीलंका में बर्बादी ओर तबाही के बाद रोटी को लेकर बदन बेचने को विवश महिलाएं

श्रीलंका में कोरोना काल के बाद से लगातार आर्थिक संकट बढ़ता ही जा रहा है। देखते ही देखते स्थिति इतनी बुरी हो गई है कि लोगों को दो वक्त की रोटी के लिए भी मोहताज होना पड़ रहा है। श्रीलंका की तबाही के पीछे कोई और नहीं बल्कि उनकी सरकार की नीतियां हैं। हालात इतने बुरे हो गए हैं कि वहां की महिलाओं को बच्चों के भोजन के लिए अपना जिस्म तक बेचना पड़ रहा है। जब श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से इस बात की जानकारी मीडिया के सामने आई तो सबके होश उड़ गए। कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के करीब एक नॉन इंडस्ट्रियल एरिया के पास एक आयुर्वेदिक स्पा का विज्ञापन छपा था। जहां पर काम करने वाली एक 33 वर्षीय महिला बताती है कि श्रीलंका की गंदी राजनीति करने वाली इस सरकार ने हमारे जीवन को तबाह और बर्बाद करके रख दिया है। मेरे बच्चों को शाम तक पेट भरने के लिए बस यही आखिरी उम्मीद बची है।जनवरी से अब तक जिस्मफरोसी में 30 फीसदी महिलाएं बढ़ींरू उस महिला ने आगे बताया, कि पिछले दो सप्ताह से वो अपना और अपने परिवार का भरण–पोषण करने के लिए अपना जिस्म बेच रही है। ऐसा सिर्फ श्रीलंका सरकार की गलत नीतियों की वजह से हो रहा है जिसकी वजह से आज पूरा देश बुरे आर्थिक संकट में फंस गया है। एक सर्वे में बताया गया है कि जनवरी 2022 के बाद से श्रीलंका में जिस्म के बाजार में शामिल होने वाली महिलाओं की संख्या में 30 फीसदी का इजाफा हुआ है।

जिस्मफरोशी के धंधे में तुरंत मिल जाता है पैसारू अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट 'द टेलीग्राफ' के मुताबिक एसयूएमएल की कार्यकारी निदेशक आशीला डांडेनिया ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया, 'श्रीलंका में आए आर्थिक संकट से लोग इतने परेशान हैं कि वे परिजनों की मदद करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। श्रीलंका के बचे हुए व्यवसायों में से ये एक व्यवसाय है जो तुरंत ही पैसा उपलब्ध करवा देता है, लेकिन कोई भी अपने परिवार को ये नहीं बताना चाहता है कि वे क्या काम कर रहे हैं।'

रूस यूक्रेन वॉर - तबाही करता रूस यूक्रेन वॉर ,हर पल शरणार्थी बनते छोटे बच्चे।

आज से 100 दिन पहले 24 फरवरी को नाटो मेंबरशिप को लेकर रूस–यूक्रेन में तनाव इस कदर भड़का कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने जंग का आगाज कर दिया। तब से इन बीते 100 दिनों में यूक्रेन की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। कभी चमक धमक और रोशनी से पटे रहने वाले यूक्रेनी शहर आज खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। युद्ध की इस तपिश ने पूर्वी यूरोप के बाहर दुनिया के दूसरे देशों को भी कई परेशानी में डाला है, इनमें भारत भी शुमार है। आज हम आपको बताते हैं कि बीते 100 दिनों में किस तरह इस युद्ध वजह की वजह रूस–यूक्रेन के साथ भारत को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सबसे पहले भारत की बात करें तो जंग शुरू होने के बाद तीन महीने के भीतर ही फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने इंडियन मार्केट से 1 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए, जबकि इससे पहले पिछले 9 महीने में कुल 50 हजार करोड़ रुपए ही निकाले गए थे।

भारत सहित दुनिया भर के उभरते हुए बाजारों को महंगाई की वजह से मौद्रिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है।

इस युद्ध की वजह से रुपए को भी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड गिरावट का सामना करना पड़ा। आइएमएफ के मुताबिक, जहां 23 फरवरी को एक डॉलर के मुकाबले रुपया 74.6 पर था, वहीं 31 मई को ये 77.7 के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। दूसरी तरफ 2022 की शुरुआत में जहां क्रूड ऑयल की कीमत 80 डॉलर बैरल थी वो रूसी हमले के बाद 128 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गई महंगाई दर भारत में सालाना महंगाई दर अप्रैल 2022 में बढ़कर 7.8ः हो गई, जो मई 2014 के बाद सबसे ज्यादा है। खाद्य महंगाई दर सातवें महीने बढ़कर 8.4ः हो गई। 31 मई को वनस्पति तेल की कीमत पिछले साल के मुकाबले 26.6ः बढ़ गई, जबकि गेहूं की कीमत में 14.3ः उछाल आया। इसके अलावा दुनिया भर के 45 देश गंभीर खाद्य संकट के मुहाने पर पहुंच चुके हैं।68 लाख यूक्रेनी नागरिकों छोड़ना पर देश – रूसी हमले की वजह से यूक्रेन के 68 लाख लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है, जो उसकी आबादी का लगभग 15ः है। यानी, हर 6 में से एक यूक्रेनी को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। युएनएचआरसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इन 68 लाख लोगों में से लगभग 36 लाख लोग पोलैंड पहुंचे हैं, जिसकी वजह से उसकी जनसंख्या में 10ः का उछाल आ गया। 2021 में जहां यूक्रेन की आबादी 4.3 करोड़ थी, वो अब घटकर 3.7 करोड़ रह गई है। दूसरी तरफ 80 लाख लोग यूक्रेन में आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं, जिस वजह से एक बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो गया। यह संकट इतना विकराल है कि यूक्रेन में हर गुजरते सेकेंड के साथ एक बच्चा युद्ध शरणार्थी बन रहा है। रूस पर अब तक 10 हजार से ज्यादा प्रतिबंध लगे – रूस की घेराबंदी करने के लिए पश्चिमी देश लगातार उस पर प्रतिबंधों का शिकंजा कस रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से रूस पर 5,831 प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1,144 प्रतिबंध अमेरिका ने लगाए हैं। इसके अलावा 4,800 से ज्यादा रूसी नागरिकों पर बैन लगाया गया है और 562 इंस्टीट्यूशन और 458 कंपनियों को प्रतिबंध के दायरे में रखा गया है। कुल मिलाकर, 2014 से अब तक रूस पर 10,159 प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं।

2022 के अंत तक पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण और 2030 तक 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य

विश्व पर्यावरण दिवस पर आज राजधानी दिल्ली में विज्ञान भवन में 'मिट्टी बचाओ' पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देश को बड़ी खुशखबरी दी। दरअसल पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच देश की तेल कंपनियों ने म्जींदवस च्मजतवस ठसमदक. पदह का अपना 10 फीसदी का लक्ष्य हासिल कर लिया है।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि देश ने यह लक्ष्य 5 माह पहले ही हासिल कर लिया है। आपको बता दें कि इथोनोल पेट्रोल के कारण कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी आती है और साथ ही देश के किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होती है।

स्वत्वाधिकार सम्पादक प्रकाशक मधुसूदन शर्मा / डिजिटल संस्करण स्वतंत्र बौद्धिक पत्र समाचार पत्र की आधिकारीक बेवसाइट https://sbpatra.in/ पर उपलब्ध है। अन्य वेब या डिजिटल माध्यमों पर इसे प्रकाशित या इस नाम से , अन्या समाग्री बीना अनुमती प्रकाशित , करना दण्डनीया अपराध होगा , विवादो न्यायिक क्षेत्र नीमच रहेगा।